नेटवर्क

भारतीय रेलवे (आईआर) 65,436 मार्ग किलोमीटर के लंबाई वाला विश्व का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। 31 मार्च, 2013 को नेटवर्क का आकार आमान-वार तथा क्षेत्र-वार इस प्रकार है:

आमान	मार्ग कि.मी.	चालू रेलपथ कि.मी.	कुल रेलपथ कि.मी.
बड़ी लाइन (1676 मि.मी.)	57,140	80,507	1,05,701
मीटर लाइन (1000 मि.मी.)	5,999	6,432	7,553
छोटी लाइन (762 मि.मी. और 610 मि.मी.)	2,297	2,297	2,579
कुल	**65,436**	**89,236**	**1,15,833**

जोन/मुख्यालय	मार्ग कि.मी.	चालू रेलपथ कि.मी.	कुल रेलपथ कि.मी.
मध्य, मुंबई	4,042	6,161	8,404
पूर्व, कोलकाता	2,546	4,307	6,880
पूर्व मध्य, हाजीपुर	3,706	5,380	7,854
पूर्व तट, भुवनेश्वर	2,655	3,809	52,227
उत्तर, नई दिल्ली	7,125	9,238	12,582
उत्तर मध्य, इलाहाबाद	3,151	4,754	5,849
पूर्वोत्तर, गोरखपुर	3,806	4,735	5,199
पूर्वोत्तर सीमा, मालीगांव, (गुवाहाटी)	3,965	4,345	5,909
उत्तर पश्चिम, जयपुर	5,527	6,797	7,203
दक्षिण, चेन्नै	5,079	6,835	8,405
दक्षिण मध्य, सिकंदराबाद	5,852	7,974	9,861
दक्षिण पूर्व, कोलकाता	2,711	4,892	6,676
दक्षिण पूर्व मध्य, बिलासपुर	2,488	3,592	4,961
दक्षिण पश्चिम, हुबली	3,327	3,809	4,655
पश्चिम, मुंबई	6,439	7,836	9,945
पश्चिम मध्य, जबलपुर	2,992	4,721	6,142
मेट्रो रेलवे, कोलकाता	25	51	81
कुल	**65,436**	**89,236**	**1,15,833**

नीचे दी गई तालिका में वर्षानुवर्ष भारतीय रेल के नेटवर्क का बदलता आकार दर्शाया गया है।

वर्ष	मार्ग कि.मी.		चालू रेलपथ कि.मी.		कुल रेलपथ कि.मी.	
	विद्युतीकरण	कुल	विद्युतीकरण	कुल	विद्युतीकरण	कुल
1950-51	388	53,596	937	59,315	1,253	77,609
1960-61	748	56,247	1,752	63,602	2,259	83,706
1970-71	3,706	59,790	7,447	71,669	9,586	98,546
1980-81	5,345	61,240	10,474	75,860	13,448	104,480
1990-91	9,968	62,367	18,954	78,607	25,305	108,858
2000-01	14,856	63,028	27,937	81,865	36,950	108,706
2009-10	18,927	63,974	35,811	87,087	48,639	113,617
2010-11	19,607	64,460	36,000	87,040	49,489	113,993
2011-12	20,275	64,600	38,775	89,910	51,198	115,171
2012-13	**20,884**	**65,436**	**38,236**	**89,236**	**52,101**	**1,15,833**

स्टेशनों पर यार्डों, साइडिंगों, क्रॉसिगों आदि में रेलपथ शामिल है।

राज्यवार मार्ग कि.मी./चालू रेलपथ कि.मी./कुल रेलपथ कि.मी.:

नीचे दी गई तालिका में 2012-13 के अंत तक विभिन्न राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में रेलवे लाइनों का मार्ग कि.मी.,चालू रेलपथ कि.मी. और कुल रेलपथ कि.मी. दर्शाया गया है।

राज्य/संघ शासित क्षेत्र	मार्ग कि.मी.	चालू रेलपथ कि.मी.	कुल रेलपथ कि.मी.
अरुणाचल प्रदेश	5,322	7,788	9,941
असम	1	1	3
बिहार	2,459	2,571	3,525
छत्तीसगढ़	3,656	4,955	6,595
दिल्ली	1,196	1,852	2,625
गोवा	183	339	699
गुजरात	69	69	98
हरियाणा	5,257	5,974	7,388
हिमाचल प्रदेश	1,630	2,345	2,973
जम्मू एवं कश्मीर	296	301	357
झारखंड	256	319	421
कर्नाटक	2,113	3,545	5,319
केरल	3,228	3,885	4,822
मध्य प्रदेश	1,050	1,673	2,012
आंध्र प्रदेश	4,955	7,307	9,146
महाराष्ट्र	5,725	8,059	10,928
मणिपुर	1	1	3
मिजोरम	2	1	5
नागालैंड	13	13	24

ओडिशा	2,507	3,697	4,855
पंजाब	2,215	2,585	3,386
राजस्थान	5,872	7,439	8,364
तमिलनाडु	4,027	5,045	6,235
त्रिपुरा	151	151	193
उत्तराखंड	345	427	556
उत्तर प्रदेश	8,832	12,143	14,943
पश्चिम बंगाल	4,037	6,713	10,325
संघ शासित क्षेत्र			
चंडीगढ़	16	16	66
पांडिचेरी	22	22	26
कुल	**65,436**	**89,236**	**1,15,833**

नोट – शेष राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में रेल लाइन नहीं है।

भारतीय रेल अपने 150 वर्ष से अधिक पुराने इतिहास सहित रेल मंत्रालय के अधीन भारत सरकार के जन उपयोगी स्वामित्व वाला उपक्रम है।

इसका विशाल नेटवर्क एक राष्ट्रीय सार्वजनिक परिवहन के रूप में यात्री तथा माल को ढ़ोते हुए, भारतीय रेलवे हमेशा भारत के सामाजिक तथा आर्थिक विकास में मुख्य भूमिका निभाती है। यह लाखों यात्रियों के लिए सस्ता एवं सुलभ यातायात का साधन है। भारी माल यातायात जैसे अयस्क एवं खनिज, लौह एवं इस्पात, सीमेंट, खनिज तेल, खाद्यान्न एवं उर्वरक, कंटेनराइज्ड कार्गो आदि को ढ़ोने के साथ-साथ कृषि, उद्योग तथा जन साधारण के लिए भारतीय रेलवे का महत्व सर्वविदित है। भारतीय रेलवे ने वर्ष 2012-13 के दौरान प्रतिदिन 23.07 मिलियन यात्रियों तथा 2.77 मिलियन टन माल यातायात का वहन किया है।

भारतीय रेल, रेल मंत्रालय के रूप में रेल मंत्री के अधीन काम करती है। इस विस्तृत उद्यम का शीर्ष स्तर पर प्रबंधन रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष (सीआरबी) के द्वारा किया जाता है। रेलवे बोर्ड के सदस्यों में, वित्त आयुक्त, सदस्य यातायात, सदस्य इंजीनियरिंग, सदस्य यांत्रिक, सदस्य बिजली एवं सदस्य कार्मिक शामिल होते हैं, जो अपने संबंधित क्रियात्मक क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके प्रशासनिक नियंत्रण के लिए भारतीय रेलवे को 17 जोनों में बांटा गया है, प्रत्येक जोन का मुखिया महाप्रबंधक होता है। क्षेत्रीय रेलों को आगे छोटी परिचालन इकाइयों में बांटा गया है, जिन्हें मंडल कहा जाता है। वर्तमान में भारतीय रेलवे में 68 मंडल हैं, प्रत्येक मंडल, मंडल रेल प्रबंधक के अधीन होता है। इसके अलावा, उत्पादन इकाइयां, प्रशिक्षण संस्थान, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम तथा अन्य कार्यालय रेलवे बोर्ड के नियंत्रण में कार्य करते हैं।